Patrika (Indore), 19th August 2025, Page- 02

दोनों संस्थानों के बीच हुआ एमओयू, साझा करेंगे समाधान

मानव और वन्यजीव संघर्ष को कम करेंगे आइआइटी इंदौर व एसएफआरआइ जबलपुर

इंदौर @ पत्रिका. वन्यजीव संरक्षण और सतत वन प्रबंधन में आइआइटी इंदौर व राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआइ) जबलपुर ने आपसी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई तकनीकों से मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना है। खासकर उन इलाकों में जहां रेलवे लाइन विस्तार या अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को प्रभावित करती हैं।

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा, बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष और जैव विविधता पर खतरा गंभीर चिंता का विषय है। इस दिशा में आइआइटी इंदौर, एसएफआरआइ को तकनीकी सहयोग देगा। एसएफआरआइ के निदेशक प्रदीप वासुदेव ने कहा, इस साझेदारी से मप्र में वन प्रबंधन मजबूत होगा व अनुसंधान और संरक्षण कार्यों को दिशा मिलेगी। इस मौके पर एसएफआरआइ के वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार, आइआइटी इंदौर के अनुसंधान एवं विकास डीन प्रो. अभिरूप दत्ता और खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष डॉ. सौरभ दास भी मौजूद थे। सहयोग के तहत दोनों संस्थान रिसर्च, समाधान पर लागू काम करेंगे।